

The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

1 July 2021

रांची

इक्फाई विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में कैरियर के अवसरों पर पैनल चर्चा का आयोजन

इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने चर्चा मंच श्रृंखला के हिस्से के रूप में "विद्युत वाहन क्षेत्र में कैरियर के अवसर" पर एक ऑनलाइन पैनल चर्चा का आयोजन किया। पैनलिस्ट में श्री पांडुरंगा राव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (तकनीकी संचालन और रणनीतिक पहल), अल्टेयर इंडिया और श्री आशुतोष दुगल, हेड-कस्टमर केयर, इलेक्ट्रिक वाहन, महिंद्रा एंड महिंद्रा थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ आर एस राव मॉडरेटर थे। इस ऑनलाइन पैनल चर्चा में भारत भर से कई छात्रों, संकाय सदस्यों और उद्योग कर्मियों ने भाग लिया।

पैनल चर्चा में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, "भारत में, सड़क परिवहन वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों में से एक है, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है। इसके अलावा, कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के भारी आयात की आवश्यकता के कारण पेट्रोल और डीजल की लागत बढ़ रही है। इसका समाधान करने के लिए विद्युत वाहन (ईवी) एक अच्छा उपाय है। विद्युत प्रौद्योगिकियों में तेजी से प्रगति के कारण, सरकारी प्रचार नीतियों और फ़ेम-11 जैसी पहलों के साथ, यह उम्मीद की जाती है कि अगले 5 वर्षों में सड़क पर लगभग 15% वाहन विद्युत या हाइब्रिड वाहन होंगे। सभी प्रमुख ऑटोमोटिव कंपनियां बड़े पैमाने पर निवेश कर रही हैं। इसके अलावा, ओला इलेक्ट्रिक भारत में दुनिया का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक टू व्हीलर प्लांट स्थापित कर रही है। "इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम, जिसमें चार्जिंग स्टेशन शामिल हैं, स्नातक छात्रों के लिए करियर और उद्यमिता के बहुत सारे अवसर खोलेगा। प्रो राव ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय ने पहले ही ईवी को विश्वविद्यालय के बी.टेक और डीआईटी (पॉलिटेक्निक) कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में शामिल कर लिया है ताकि हमारे छात्र उभरते हुए कैरियर के अवसरों को प्राप्त करने के लिए तैयार हों।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, श्री पांडुरंगा राव ने वाहनों को हरा-भरा, हल्का, सुरक्षित और स्मार्ट बनाने और वाहन की लागत को कम करने के लिए विद्युत वाहन प्रौद्योगिकी के विकास के बारे में बताया, ताकि विद्युत वाहनों को अधिक किफायती बनाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि ईवीएस बिक्री, चार्जिंग, रखरखाव, रसद, रीसाइक्लिंग, डेटा सेवाओं, विश्लेषण इत्यादि जैसी संबंधित सेवाओं की एक श्रृंखला में करियर के बड़े अवसर प्रदान करेगा। इसके अलावा, बैटरी किराए पर लेने, बैटरी चार्जिंग और स्वैपिंग जैसे क्षेत्रों में नए व्यापार मॉडल उभर रहे हैं।, जो उद्यमिता के लिए बहुत सारे अवसर प्रदान करेगा।

विद्युत वाहनों में उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में बताते हुए, श्री आशुतोष दुगल ने कहा, "ईवीएस के डिजाइन में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी प्रौद्योगिकियों जैसी विविध तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, बैटरी चार्जिंग, नेविगेशन, नियंत्रण आदि जैसे सक्षम बुनियादी ढांचे और समर्थन प्रणालियों के प्रबंधन के लिए आईटी, प्रबंधन, कानून जैसे विविध क्षेत्रों में कौशल की आवश्यकता होती है। इसलिए विभिन्न विषयों में कार्यक्रमों का अनुसरण करने वाले छात्र कैरियर के अवसरों की तलाश कर सकते हैं।

पैनलिस्टों ने प्रतिभागियों के कई सवालों के जवाब पेट्रोल/डीजल वाहनों में ईवी की रेट्रोफिटिंग, इस्तेमाल की गई बैटरी के निपटान, सामर्थ्य, संचालन की लागत, दो रिचार्ज के बीच तय की जा सकने वाली दूरी आदि जैसे क्षेत्रों में दिए।

प्रोफेसर अरविंद कुमार, डीन (विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय) और रजिस्ट्रार, प्रभारी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।